

इस प्रश्न-पत्र में 16 प्रश्न तथा 8 मुद्रित पृष्ठ हैं।

अनुक्रमांक

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

कोड नं. 58/OS/1

Set- A

HINDI
(हिन्दी)
(201)

परीक्षा का दिन व दिनांक

1. _____

2. _____

सामान्य अनुदेश :

- 1 परीक्षार्थी प्रश्नपत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।
- 2 कृपया प्रश्नपत्र को जाँच लें कि प्रश्नपत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है। इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।
- 3 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में आपको चार विकल्पों (A), (B), (C) तथा (D) में से कोई एक उत्तर चुनना है तथा दी गई उत्तर-पुस्तिका में आप सही उत्तर लिखिए।
- 4 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के साथ-साथ सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित अवधि के भीतर ही देने हैं। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए अलग से समय नहीं दिया जाएगा।
- 5 उत्तर-पुस्तिका में पहचान-चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जायेगा।
- 6 अपनी उत्तर-पुस्तिका पर प्रश्नपत्र की कोड संख्या 58/OS/1-A लिखें।



HINDI (हिन्दी) (201)

समय : 3 घण्टे]

[पूर्णक : 100

निर्देश : 1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
2. प्रश्नों के लिए निर्धारित अंक उनके सामने दिए गए हैं ।



2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 15-20 शब्दों में लिखिए : 1×6=6

- (क) 'उनको प्रणाम' कविता में कवि ने किन लोगों के प्रति आदर भाव प्रकट किया है ?
(ख) 'इसे जगाओ' कविता के आधार पर बताइए कि कवि ने सूरज को मनुष्य को जगाने का काम क्यों दिया है ?
(ग) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में कवयित्री के अनुसार हमें किसकी चीत्कार महसूस करनी चाहिए और क्यों ?
(घ) कवि जयशंकर प्रसाद के 'लो यह लतिका भी भर लाई' कथन में कौन सा अलंकार है ?
(ङ) हमारे समाज में आजादी को किन संदर्भों में देखा जाता है ? कविता के आधार पर लिखिए ।
(च) कवि वृद्ध ने 'जड़मति होत सुजान' दोहे के माध्यम से विद्यार्थियों को क्या संदेश दिया है ?

3 निम्नलिखित काव्यांश किस पाठ से लिया गया है ? इसके कवि के नाम का उल्लेख करते हुए काव्यांश का काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए : 5

निंदक नियरे राखिए, आँगन कुटी छवाय ।

बिन पानी साबुन बिना, निरमल करत सुभाय ॥

अथवा

जो लोग पीछे थे तुम्हारे, बढ़ गए, हैं बढ़ रहे,
पीछे पड़े तुम, दैव के सिर दोष अपना मढ़ रहे !
पर कर्म-तैल बिना कभी विधि-दीप जल सकता नहीं,
है दैव क्या ? साँचे बिना कुछ आप ढल सकता नहीं ॥

4 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर लगभग 25-25 शब्दों में लिखिए : 2×3=6

- (क) कवि रहीम के अनुसार कोयल मेंढक की वाणी सुनकर चुप हो जाती है । यहाँ कोयल और मेंढक किसके प्रतीक हैं ?
(ख) 'बीती विभावनी जाग री' कविता में कवि ने प्रकृति की किन गतिविधियों का उल्लेख किया है ?
(ग) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में कवि ने सरसों के प्रसंग में ही 'हाथ पीले करना' का प्रयोग क्यों किया है ? इस विवाह का वर्णन कवि ने कैसे किया है ?
(घ) 'उनको प्रणाम' कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहते हैं ?

5 निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 50 शब्दों में दीजिए : 3

'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता के आधार पर बताइए कि आज पर्यावरण पर मंडराते खतरे के लिए हम किस सीमा तक उत्तरदायी हैं ? उसे बचाने के लिए हमें कौन सा एक महत्वपूर्ण कदम उठाना चाहिए ? स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'आह्वान' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि हमारे देश की अनेकता हमारे देश की एकता में बाधक नहीं है ?





8 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1+2+2=5

अरे, वह सब झूठ है । मैं तो पहले ही जानती थी कि वे लोग बच्चों को कुछ देना नहीं चाहते इसलिए अपनी गलती और लाज छिपाने के लिए यह प्रपंच रच रहे हैं । उन लोगों को क्या मैं जानती नहीं ? कभी उनके रूपए रास्ते में गुम हो जाते हैं.... कभी वे गलती से घर ही पर छोड़ आते हैं । मेरे कलेजे में तो जैसे कुछ हौंड रहा है । किशोर को भी बड़ा अफ़सोस है । उसने सारा शहर छान मारा, पर बहादुर नहीं मिला । किशोर आ कर कहने लगा – अम्मा, एक बार भी अगर बहादुर आ जाता तो मैं उसको पकड़ लेता और कभी जाने न देता ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए ।

(ख) निर्मला ने रिश्तेदार के किस प्रपंच को उजागर किया है ?

(ग) गद्यांश की भाषा-शैली की दो विशेषताएँ लिखिए ।

अथवा

शाम हो गई । खंडहर में चमगादड़ों ने चीखना शुरू किया । अबाबीलें आ-आ कर अपने-अपने घोंसलों में चिमटीं । पर दोनों खिलाड़ी डटे हुए थे, मानो दो खून के प्यासे सूरमा आपस में लड़ रहे हों । मिरज़ा दो-तीन बाज़ियाँ लगातार हार चुके थे; इस चौथी बाज़ी का रंग भी अच्छा न था । वो बार-बार जीतने का दृढ़ निश्चय कर संभल कर खेलते थे तेकिन एक-न-एक चाल ऐसी बेढ़ब आ पड़ती थी, जिससे बाज़ी खराब हो जाती थी । हर बार हार के साथ प्रतिकार की भावना और भी उग्र होती थी । उधर मीर साहब मारे उमंग के गज़लें गाते थे, चुटकियाँ लेते थे, मानो कोई गुप्त धन पा गए हों ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए ।

(ख) मिरज़ा के मन में प्रतिकार की भावना उग्र क्यों होती जा रही थी ?

(ग) इस गद्यांश की भाषा-शैली की दो विशेषताएँ लिखिए ।

9 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर लगभग 20-20 शब्दों में लिखिए :

2×4=8

(क) ‘अपना पराया’ पाठ के आधार पर बताइए कि वातावरण में व्याप्त असंख्य रोगाणु हमारे शरीर में प्रवेश करने का प्रयत्न क्यों करते हैं ?

(ख) ‘अँधेर नगरी नाटक’ का कौन सा पात्र आपको सबसे अधिक पसंद आया और क्यों ?

(ग) गिल्लू ने परिचारिका की भूमिका कब और कैसे निभाई ?

(घ) रॉबर्ट नर्सिंग होम में लेखक ने मदर टेरेसा से फ्रांस के बारे में क्या पूछा ?

(ङ) ‘सुखी राजकुमार’ कहानी में लोहा गलाने वाले मिस्त्री को क्या हैरानी हो रही थी ?



10 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए : 3×3=9

- (क) छोटे बच्चों से काम करवाना कानून की नज़र में अपराध है, फिर भी हज़ारों बच्चे इस तरफ धकेल दिए जाते हैं। ऐसे बच्चों के लिए आप क्या-क्या कर सकते हैं? लिखिए।
- (ख) बचेंद्री पाल ने अपनी आर्थिक और पारिवारिक समस्याओं का सामना करते हुए जीवन में अपने लक्ष्य को प्राप्त किया। अगर आप के सामने ऐसी कोई समस्या आएगी तो आप उसका हल किस प्रकार निकालेंगे/निकालेंगी?
- (ग) आज के युग में हर देश अधिकाधिक और विकसित अस्त्र शस्त्रों का निर्माण कर रहा है। क्या आप इससे सहमत हैं? इससे आगे आने वाली पीढ़ियों को कितना नुकसान उठाना पड़ सकता है? लिखिए।
- (घ) एड्स के मरीजों के साथ लोग बहुत बुरा व्यवहार करते हैं। लोगों में इस बीमारी के बारे में फैले भ्रम को आप कैसे दूर कर सकते हैं? अपने प्रयासों के विषय में लिखिए।

11 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×5=5

परमगुरु

दो तो ऐसी विनम्रता दो

कि अंतहीन सहानुभूति की वाणी बोल सकूँ
और यह अंतहीन सहानुभूति पाखंड न लगे।

दो तो ऐसा कलेजा दो

कि अपमान, महत्वाकांक्षा और भूख
की गाँठों में मरोड़े हुए

उन लोगों का माथा सहना सकूँ

और इसका डर न लगा

कि कोई हाथ हो काट खाएगा

दो तो ऐसी निरीहता दो

कि दहाड़ते आतंक के बीच

फटकार कर सच बोल सकूँ

और इसकी चिंता न हो

कि इस बहुमुखी युद्ध में

मेरे सच का इस्तेमाल

कौन अपने पक्ष में करेगा।

यह भी न दो

तो इतना ही दो

कि बिना मरे चुप रह सकूँ।



(क) कवि कैसे लोगों के प्रति सहानुभूति दिखाने का साहस चाहता है ?

(ख) कैसी परिस्थितियों में सच बोलना कठिन होता है ?

(ग) बहुमुखी युद्ध से कवि का क्या आशय है ?

(घ) सत्य बोलते हुए कवि को किस बात की चिंता नहीं है ?

(ङ) भाव समझाइए –

यह भी न दो तो इतना ही दो

कि बिना मरे चुप रह सकूँ ।

12 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1×5=5

धन का व्यय, विलास करने से पहले क्षणिक आनंद की प्राप्ति होती है । यह धन का दुरुपयोग है किंतु धन का सदुपयोग सुख-शांति देता है । धन के द्वारा जो सबसे अधिक महत्वपूर्ण कार्य हो सकता है, वह है परोपकार । भूखों को अन्न नंगों को वस्त्र, रोगियों को दवा, अनाथों को घर-द्वारा, अपाहिजों के लिए आराम के साधन, गरीब विद्यार्थियों के लिए पाठशालाएँ आदि धन के द्वारा जुटाई जा सकती हैं । पर संसार में ऐसे अमीर व्यक्ति बहुत ही कम हैं जो अपना भोग-विलास त्यागकर अपने धन को परोपकार में लगाते हैं । परन्तु यदि गरीब व्यक्ति भी चाहे तो परोपकार के कार्य कर सकता है । परोपकार के लिए धन की आवश्यकता तो होती है लेकिन उससे भी अधिक आवश्यकता होती है – व्यक्ति की भलाई करने की भावना । रोगी की सेवा करना, अंधे को सड़क पार कराना, भूखे को रोटी खिलाना आदि कार्य भी परोपकार की श्रेणी में आते हैं । इन कार्यों को करने में धन की आवश्यकता नहीं पड़ती । आवश्यकता पड़ती है – मानवीय दृष्टिकोण की ओर दृढ़ इच्छा शक्ति की ।

(क) अमीर लोग धन का दुरुपयोग कैसे करते हैं ?

(ख) धन के द्वारा परोपकार कैसे किया जा सकता है ?

(ग) परोपकार करने से मनुष्य को क्या लाभ होता है ?

(घ) धन के बिना परोपकार कैसे किया जा सकता है ?

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए ।

13 निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

1×10=10

(i) संधि-विच्छेद कीजिए :

कवींद्र, पुरुषोत्तम

(ii) किसी एक समस्त पद का विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए :

देश निकाला, देश-विदेश

(iii) ‘वि’ और ‘अव’ उपसर्ग से एक-एक शब्द बनाइए ।

(iv) इक प्रत्यय से दो शब्द बनाइए ।

(v) जो व्यक्ति निर्धन है, वह कुछ नहीं खरीद सकता । सरल वाक्य में बदलिए ।



- (vi) आज बहुत वर्षा हुई और इसी कारण बाढ़ आ गई ।
(रचना के आधार पर वाक्य भेद बताइए ।)
- (vii) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए :
- (i) जो कम व्यय करता हो
 - (ii) जो पढ़ा न हो
- (viii) दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :
- अतिथि अथवा कपड़ा
- (ix) किसी एक मुहावरे का वाक्य प्रयोग कीजिए :
- अपना ही राग अलापना अथवा आटे-दाल का भाव मालूम होना
- (x) वाक्य को शुद्ध रूप में लिखिए :
- कश्मीर में कई दर्शनीय स्थल देखने योग्य हैं ।

14 निम्नलिखित गद्यांश का सार लगभग एक-तिहाई शब्दों में लिखिए :

5

सच्चा मित्र वही है जो मित्र के दुख में काम आता है । वह मित्र के कण जैसे दुख को भी मेरु के समान भारी मानकर उसकी सहायता करता है । मित्र दुख-सुख का साथी है । वह केवल दुख में ही नहीं, सुख में भी साथ देता है । कोई भी खुशी मित्र के बिना नहीं अच्छी लगती । सच्चा मित्र हमारे लिए प्रेरक, सहायक और मार्गदर्शक का काम करता है । जब भी हम निराश होते हैं, मित्र हमारी हिम्मत बढ़ाता है । जब हम परास्त होते हैं, वह उत्साह देता है । जब हम शिथिल होते हैं वह प्रेरणा देता है । रास्ता भलने पर हमारा मार्गदर्शन करता है । सच्चा मित्र हमारे लिए शक्तिवर्धक औषधि बनकर सामने आता है ।

15 अपने मित्र को ग्रीष्मावकाश अपने साथ बिताने का निमंत्रण देते हुए पत्र लिखिए ।

5

अथवा

चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर शिकायत कीजिए कि मतदाता सूची में आपका नाम दर्ज करने के लिए कोई भी कर्मचारी आपके घर नहीं पहुँचा ।

16 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग **300** शब्दों में निबंध लिखिए :

10

- (क) बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ
 - (ख) सफलता की कुंजी : मन की एकाग्रता
 - (ग) भारतीय संस्कृति की विशेषताएँ
 - (घ) परहित सरिस धर्म नहिं भाई
-

